मूल्यनिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के सम्मानार्थ मीडिया व समाज आगे आयें- डॉ. डी. पी सिंह

इंदौर 23 नवंबर। मानवीय मूल्यो की सबको आवश्यकता है। हमें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्यों में श्रेष्ठता के लिये मूल्यों की शिक्षा जरुरी है। अध्यात्म के बिना मूल्य शिक्षा अधूरी है। अत: ईमानदारी के साथ काम करने वालों को सम्मानित करने के लिये समाज व मीडिया आगे आयें।

उक्त विचार देवी अहिल्या वि.वि. के कुलपति डॉ. डी. पी. सिंह ने ओम् शांति भवन के ज्ञान शिखर कॉम्प्लेक्स में ब्रह्माकुमारीज द्वारा "मूल्य शिक्षा एवं अध्यात्म " विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मूख्य अतिथि के रूप मे व्यक्त किये। संगोष्ठी का आयोजन अन्नामलाई वि. वि., मदुराई एवं ब्रह्माकुमारीज के द्वारा संयुक्त रूप से संचालित "मूल्य शिक्षा एवं अध्यात्म" पाठयक्रमों के "पर्सनल कोंटॅक्ट प्रोग्राम" इंदौर केंद्र के शुभारंभ अवसर पर किया गया था।

इस अवसर पर दुरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के निदेशक एस. पांडियमणि ने कहा की अध्यात्मिक शिक्षा पाठयक्रमों में एम.एस.सी, एम.बी.ए., पी.जी. डिप्लोमा एवं डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को अन्नामलाई वि. वि. से संपर्क करने में इस अध्ययन केंद्र से सुविधा होगी। भारत तथा नेपाल में यह पाठयक्रम हिंदी एवं अंग्रेजी सहित छ: भाषाओं में संचालित किये जा रहे हैं तथा हर कोई इसे कर सकते हैं। आपने "मूल्य शिक्षा एवं अध्यात्म" पाठयक्रमो की महत्ता पर भी प्रकाश डाला।

ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक डॉ. आर. पी. गुप्ता ने बताया कि इन पाठयक्रमों का अब तक दस हजार से अधिक विद्यार्थी लाभ ले चुके हैं और अभी भी भारत और नेपाल के विद्यार्थी बडी संख्या मे सम्मिलित हो रहे हैं।

अपने आशीर्वचन में क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाईजी ने कहा कि जीवन में मानवीय मूल्यों की धारणा से युवा वर्ग उच्चता के शिखर तक पहुंच सकता है। मूल्यनिष्ठता हमारे अंदर के आक्रोश, असंतोष एवं नकारात्मकता को समाप्त करती है।

शिक्षा प्रभाग की जोनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी शशी बहन ने अतिथियों का शब्दों से स्वागत किया। मंच का कुशल संचालन डॉ. राजीव शर्मा ने किया। कार्यक्रम में देवी अहिल्या वि.वि. के पत्रकारिता एवं संचार माध्यम के विभाग अध्यक्ष डॉ. मानसिंह परमार, कुल सचिव आर.डी. मुसलगांवकर, पायोनियर इंन्स्टीट्यूट के निदेशक पवन पाटनी आदि उपस्थित थे।